5:02 AM
2 July DT News.pdf

16
कानपुर, शुक्रवार, 2 जुलाई 2021
कानपुर न्यूज
www.dinartimes.in
DT दीनार टाइम्स

असली एवं नकली उर्वरकों की पहचान

सीएसए के वैज्ञानिक ने बताई खाद पहचान करने की तकनीक

डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में मृदा वैज्ञानिक एवं विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने कृषक भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि असली एवं नकली उर्वरकों की पहचान घरेलू स्तर पर स्वयं कृषक भाई कर सकते हैं मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि खरीफ का मौसम चल रहा है ऐसे भी किसान भाई खरीफ की फसलों में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करते हैं इसलिए जरूरी है कि किसान भाई रासायनिक उर्वरकों को जांच परख लें।

असली यूरिया के दाने सफेद और चमकदार होत

तत्पश्चात पतलू में प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि असली यूरिया के दाने सफेद चमकदार और एक समान आकार के होते हैं इसके दाने पानी में पूरी तरह घुल जाते हैं इसके घोल को छूने पर ठंडा महसूस होता है तो यह समझ लेना चाहिए कि यूरिया असली है। अथवा यूरिया के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखने से दाने पिघल जाते हैं आंच को तेज कर दें तो इसका कोई अवशेष नहीं बचता है तो किसान भाई समझ लें की ये असली यूरिया है डॉक्टर खान बताया कि इसी तरह से डीएपी के कुछ दानों को हाथ में लेकर उसमें चूना मिलाकर मलने से यदि उसमें तेज गंध आने लगे और सूंघना मुश्किल हो जाए तो समझ ले कि डीएपी असली है दूसरी विधि में

असली डीएपी के दाने तवा पर डालते ही फूल जाएंगे

डीएपी के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें तवे पर दाने अपने आकार से फूल जाते हैं तो समझे कि यह असली डीएपी है इसी प्रकार से

पोटाश के कुछ दानों को नम करें ऐसा करने पर यह यह दाने आपस में नहीं चिपकते हैं तो असली है दूसरी विधि में पोटाश को पानी में घोलने पर इसका लाल भाग पानी के ऊपर तैरता रहता है डॉक्टर खलील खान ने बताया कि इसी प्रकार जिंक सल्फेट को डीएपी के घोल में मिलाने से थक्केदार अवक्षेप बन जाता है तो समझ ले कि असली है इसी प्रकार सुपर फास्फेट उर्वरक की भी पहचान करने इसके कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें और यदि यह नहीं फूलते हैं तो असली हैं डॉक्टर खान ने बताया कि खेती-बाड़ी में उर्वरकों का अपना विशेष महत्व है इससे फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि वे उर्वरक खरीदते समय उर्वरक विक्रेता से रसीद अवश्य ले लें।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:12 | अंक:185 | देहरादून, शुक्रवार, 02 जुलाई, 2021 | पृष्ठ:08

असली एवं नकली उर्वरकों की घरेलू स्तर पर करें पहचान: डॉ खलील खान

श्याम गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के मृदा वैज्ञानिक एवं विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने कृषक भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि असली एवं नकली उर्वरकों की पहचान घरेलू स्तर पर स्वयं कृषक भाई कर सकते है मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि खरीफ का मौसम चल रहा है ऐसे भी किसान भाई खरीफ की फसलों में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करते हैं इसलिए जरूरी है कि किसान भाई रासायनिक उर्वरकों को जांच परख लें तत्पश्चात फसलू में प्रयोग करें उन्होंने कहा कि असली यूरिया के दाने सफेद चमकदार और एक समान आकार के होते हैं इसके दाने पानी में पूरी तरह घुल जाते हैं इसके घोल को छूने पर ठंडा महसूस होता है तो यह समझ लेना चाहिए कि यूरिया असली है अथवा यूरिया के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखने से दाने पिघल जाते हैं आंच को तेज कर दें तो इसका कोई अवशेष नहीं बचता है तो किसान भाई समझ लें की ये असली यूरिया है डॉक्टर खान बताया कि इसी तरह से डीएपी के कुछ दानों को हाथ में लेकर उसमें चूना मिलाकर मलने से यदि उसमें तेज गंध आने लगे और सूंघना मुश्किल हो जाए तो समझ ले कि डीएपी असली है दूसरी विधि में डीएपी के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें तवे पर दाने अपने आकार से फूल जाते हैं तो समझे कि यह असली डीएपी है इसी प्रकार से पोटाश के कुछ दानों को नम करें ऐसा करने पर यह यह दाने आपस में नहीं चिपकते हैं तो असली है दूसरी विधि में पोटाश को पानी में घोलने पर इसका लाल भाग पानी के ऊपर तैरता रहता है डॉ० खलील खान ने बताया कि इसी प्रकार जिंक सल्फेट को डीएपी के घोल में मिलाने से थक्केदार अवक्षेप बन जाता है तो समझ ले कि असली है इसी प्रकार सुपर फास्फेट उर्वरक की भी पहचान करने इसके कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें और यदि यह नहीं फूलते हैं तो असली है डॉ० खान ने बताया कि खेती–बाड़ी में उर्वरकों का अपना विशेष महत्व है इससे फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि वे उर्वरक खरीदते समय उर्वरक विक्रेता से रसीद अवश्य ले लें।

03 july_jan express.pdf - Read-only

जन एक्सप्रेस

@janexpresslive

लखनऊ, शनिवार, 03 जुलाई, 2021, वर्ष : 12, अंक : 259, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹ 3.00/-

लखनऊ तथा देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | www.janexpresslive.com/epaper

घरेलू स्तर पर ही किसान स्वयं कर सकते हैं 'असली व नकली उर्वरकों की पहचान'

जन एक्सप्रेस संवाददाता

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में शुक्रवार को मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि असली एवं नकली उर्वरकों की पहचान घरेलू स्तर पर किसान स्वयं कर सकते हैं खरीफ का मौसम चल रहा है ऐसे मे किसान खरीफ की फसलों में रासायनिक उर्वरको का प्रयोग करते हैं इसलिए यह आवश्यक है कि किसान रासायनिक उर्वरकों को जांच परख कर ही प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि यूरिया के दाने सफेद चमकदार और एक समान आकार के होने के साथ पानी में पूरी तरह घुल जाते हैं और उस घोल को छूने पर ठंडा महसूस हो तो यह समझ लेना चाहिए कि यूरिया असली है। इसके अलावा यूरिया के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखकर भी इसकी पहचान की जा सकती है गरम तवे पर रखने से दाने पिघल जाते हैं और आंच को तेज करने पर इसका कोई अवशेष नहीं बचता है। ऐसा

होने पर समझ लेना चाहिए की यूरिया असली है।

डॉ. खान बताया कि किसानों को डीएपी की पहचान के लिए हाथ में डीएपी के कुछ दानों को लेकर उसमें चूना मिलाकर मलना चाहिए इस क्रिया से अगर उसमें तेज गंध आने लगे और सूंघना मुश्किल हो जाए तो इसका अर्थ है कि डीएपी असली है वही दूसरी विधि में डीएपी के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखने पर अगर दाने अपने आकार से फूल जाते हैं तो समझे कि यह असली डीएपी है। उन्होंने बताया कि पोटाश के कुछ दानों को नम करने पर उनका आपस में ना चिपकना असली पोटाश की पहचान है।

दूसरी विधि में पोटाश को पानी में घोलने पर इसका लाल भाग पानी के ऊपर तैरता रहता है। उन्होंने बताया कि यदि जिंक सल्फेट को डीएपी के घोल में मिलाने से थक्केदार अवक्षेप बन जाता है तो समझ ले कि यह असली है। इसी प्रकार सुपर फास्फेट उर्वरक की भी पहचान करने के लिए इसके कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें और यदि यह नहीं फूलते हैं तो असली है। डॉ. खान ने बताया कि खेती-बाड़ी में उर्वरकों का अपना विशेष स्थान है इससे फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है उन्होंने किसानो से उर्वरक खरीदते समय उर्वरक विक्रेता से रसीद लेने की अपील की।

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress https://worldk

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

अंक : 275 कानपुर

02 जून 2021, शुक्रवार

www.worldkhabarexpress.media MID DAY E-PAPER www.worldkhabarexpress.com

पति की दवा खरीदने रात में छिप-छिपाक निकली सनी लियोनी पेज 8

EXPRESS

सीएमए के मृदा वैज्ञानिक ने किसानों के लिए जारी की एडवाइजरी;

असली- नकली उर्वरकों की घरेलू स्तर पर करें पहचानः डॉ. खलील

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक एवं विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने किसानों को एडवाइजरी जारी कर बताया कि असली और नकली उर्वरकों की पहचान घरेलू स्तर पर स्वयं कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि खरीफ का मौसम चल रहा है, ऐसे भी किसान खरीफ की फसलों में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करते हैं, इसलिए जरूरी है कि वह रासायनिक उर्वरकों को जांच-परख लें। इसके बाद पतलू में प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि असली यूरिया के दाने सफेद चमकदार और एक समान आकार के होते हैं। इसके दाने, पानी में पूरी तरह घुल जाते हैं। इसके घोल को छूने पर ठंडा महसूस होता है तो यह समझ लेना चाहिए कि यूरिया असली है। अथवा यूरिया के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखने से दाने पिघल

जाते हैं, आंच को तेज कर दें तो इसका कोई अवशेष नहीं बचता है तो किसान समझ लें कि ये असली यूरिया है। इसी तरह डीएपी के कुछ दानों को हाथ में लेकर उसमें चूना मिलाकर मलने से यदि उसमें तेज गंध आने लगे और सूंघना मुश्किल हो जाए तो समझ ले कि डीएपी असली है। दूसरी विधि में डीएपी के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें, तवे पर दाने अपने आकार से फूल जाते हैं तो समझे कि यह असली डीएपी है इसी प्रकार से पोटाश के कुछ दानों को नम करें, ऐसा करने पर यह यह दाने आपस में नहीं चिपकते हैं तो असली है। दूसरी विधि में

पोटाश को पानी में घोलने पर इसका लाल भाग पानी के ऊपर तैरता रहता है। इसी प्रकार जिंक सल्फेट को डीएपी के घोल में मिलाने से थक्केदार अवच्छेप बन जाता है तो समझ ले कि असली है। सुपर फास्फेट उर्वरक की भी पहचान करने इसके कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें और यदि यह नहीं फूलते हैं तो असली हैं। डॉ .खान ने बताया कि खेती-बाड़ी में उर्वरकों का अपना विशेष महत्व है। इससे फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे उर्वरक खरीदते समय उर्वरक विक्रेता से रसीद अवश्य ले लें।

आज

कानपुर 3 जुलाई 2021 5

असली एवं नकली उर्वरकों की पहचान करें किसान, बढ़ेगी फसलों की पैदावार

यूरिया, डीएपी, पोटास, जिंक सल्फेट आदि को घरेलू स्तर पर स्वयं जांचे किसान

डा. खलील खान

कानपुर, 2 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ डी.आर. सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज मृदा वैज्ञानिक एवं विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने कृषक भाइयों को एडवाइजरी जारी की है। वैज्ञानिक ने बताया कि असली एवं नकली उर्वरकों की पहचान घरेलू स्तर पर स्वयं कृषक भाई कर सकते हैं । खेती-बाड़ी में उर्वरकों का विशेष महत्व है इससे फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है। अपील की है कि किसान भाई उर्वरक खरीदते समय उर्वरक विक्रेता से रसीद अवश्य लें। मृदा वैज्ञानिक डॉ खान ने बताया कि खरीफ का मौसम चल रहा है ऐसे भी किसान भाई खरीफ की फसलों में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करते हैं इसलिए जरूरी है कि किसान भाई रासायनिक उर्वरकों को जांच परख लें। तत्पश्चात पतलू में प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि असली यूरिया के दाने सफेद चमकदार और एक समान आकार के होते हैं इसके दाने पानी में पूरी तरह घुल जाते हैं इसके घोल को छूने पर ठंडा महसूस होता है तो यह समझ लेना चाहिए कि यूरिया असली है। अथवा यूरिया के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखने से दाने पिघल जाते हैं आंच को तेज कर दें तो इसका कोई अवशेष नहीं बचता है तो किसान भाई समझ लें की ये असली यूरिया है। उन्होंने बताया कि इसी तरह से डीएपी के कुछ दानों को हाथ में लेकर उसमें चूना मिलाकर मलने से यदि उसमें तेज गंध आने लगे और सूंघना मुश्किल हो जाए तो समझ ले कि डीएपी असली है दूसरी विधि में डीएपी के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें तवे पर दाने अपने आकार से फूल जाते हैं तो समझे कि यह असली डीएपी है। इसी प्रकार से पोटाश के कुछ दानों को नम करें ऐसा करने पर यह यह दाने आपस में नहीं चिपकते हैं तो असली है दूसरी विधि में पोटाश को पानी में घोलने पर इसका लाल भाग पानी के ऊपर तैरता रहता है। डा. खलील खान ने बताया कि इसी प्रकार जिंक सल्फेट को डीएपी के घोल में मिलाने से थक्केदार अवछेप बन जाता है तो समझ ले कि असली है इसी प्रकार सुपर फास्फेट उर्वरक की भी पहचान करने इसके कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें और यदि यह नहीं फूलते हैं तो असली हैं।

लखनऊ संस्करण
वर्ष-05, अंक -248
शनिवार, 03 जुलाई, 2021
पृष्ठ 12
मूल्य 3 रु*

देश का सबसे विश्वसनीय अखबार

दैनिक भास्कर

For epaper → www.updainikbhaskar.com

असली एवं नकली उर्वरकों की घरेलू स्तर पर पहचान जरूरीः डॉ खलील

भास्कर न्यूज

कानपुर। सीएसए में 2 जुलाई को मृदा वैज्ञानिक एवं विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने कृषक भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि असली एवं नकली उर्वरकों की पहचान घरेलू स्तर पर स्वयं कृषक भाई कर सकते हैं मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि खरीफ का मौसम चल रहा है, ऐसे भी किसान भाई खरीफ की फसलो में रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग करते हैं इसलिए जरूरी है कि किसान भाई रसायनिक उर्वरकों को जांच परख लें।

तत्पश्चात फसल में प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि असली यूरिया के दाने सफेद चमकदार और एक समान आकार के होते हैं इसके दाने पानी में पूरी तरह घुल जाते हैं इसके घोल को छूने पर ठंडा महसूस होता है तो यह समझ लेना चाहिए कि यूरिया असली है। अथवा यूरिया के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखने से दाने पिघल जाते हैं आंच को तेज कर दें तो इसका कोई अवशेष नहीं बचता है तो किसान भाई समझ लें की ये असली यूरिया है। डॉक्टर खान बताया कि इसी तरह से डीएपी के कुछ दानों को हाथ में लेकर उसमें चूना मिलाकर मलने से यदि उसमें तेज गंध आने लगे और सूंघना मुश्किल हो जाए तो समझ लें कि डीएपी असली है दूसरी विधि में डीएपी के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें तवे पर दाने अपने आकार से फूल जाते हैं तो समझे कि यह असली डीएपी है इसी प्रकार से पोटाश के कुछ दानों को नम करें ऐसा करने पर यह यह दाने आपस में नहीं चिपकते हैं तो असली है दूसरी विधि मे पोटाश को पानी मे घोलने पर इसका लाल भाग पानी के ऊपर तैरता रहता है डॉक्टर खलील खान ने बताया कि इसी प्रकार जिंक सल्फेट को डीएपी के घोल में मिलाने से थक्केदार अवक्षेप बन जाता है तो समझ ले कि असली है इसी प्रकार सुपर फास्फेट उर्वरक की भी पहचान करने इसके कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें और यदि यह नहीं फूलते हैं तो असली है डॉक्टर खान ने बताया कि खेती-बाड़ी मे उर्वरकों का अपना विशेष महत्व है इससे फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि वे उर्वरक खरीदते समय उर्वरक विक्रेता से रसीद अवश्य ले।

अमर उजाला
शनिवार • 03.07.2021
kanpur.amarujala.com

यूरिया-डीएपी असली या नकली, घर में ही करें पहचान

सीएसए के वैज्ञानिक ने जारी की एडवाइजरी

कानपुर। अब असली और नकली उर्वरकों की पहचान किसान घर पर ही कर सकेंगे। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने शुक्रवार को एडवाइजरी जारी कर पहचान के तरीके बताए हैं। बताया कि असली यूरिया के दाने सफेद चमकदार और एक समान आकार के होते हैं। इसके दाने पानी में पूरी तरह घुल जाते हैं और इसके घोल को छूने पर ठंडा महसूस होता है। इसके अलावा यूरिया के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखने से ये पिघल जाते हैं। आंच तेज कर दें तो कोई अवशेष नहीं बचता है। इसी तरह डीएपी के कुछ दानों को हाथ में लें और चूना मिलाकर मलने से यदि उसमें तेज गंध आने लगे और सूंघना मुश्किल हो जाए तो समझ लें कि डीएपी असली है। इसके अलावा डीएपी के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें, यदि दाने फूल जाएं तो समझें डीएपी असली है। इसी प्रकार से पोटाश के कुछ दानों को नम करें, ऐसा करने पर दाने आपस में चिपके नहीं तो समझें पोटाश असली है। (संवाद)

आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/44666

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

सत्ता एक्सप्रेस

डी.ए.वी.पी नई दिल्ली एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त

वर्ष: 12 अंक : 259 कानपुर देहात, शनिवार 03 जुलाई 2021 Email: sattaexpress@rediffmail.com

किसान कोना : असली एवं नकली उर्वरकों की घरेलू स्तर पर पहचान:डॉ खलील खान

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ डी.आर.सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में दिनांक 2 जुलाई 2021 को मृदा वैज्ञानिक एवं विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने कृषक भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि असली एवं नकली उर्वरकों की पहचान घरेलू स्तर पर स्वयं कृषक भाई कर सकते हैं मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि खरीफ का मौसम चल रहा है। ऐसे भी किसान भाई खरीफ की फसलों में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करते हैं इसलिए जरूरी है कि किसान भाई रासायनिक उर्वरकों को जांच परख लें।तत्पश्चात फसल में प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि असली यूरिया के दाने सफेद चमकदार और एक समान आकार के होते हैं। इसके दाने पानी में पूरी तरह घुल जाते हैं। इसके घोल को छूने पर ठंडा महसूस होता है।तो यह समझ लेना चाहिए कि यूरिया असली है। अथवा यूरिया के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखने से दाने पिघल जाते हैं।आंच को तेज कर दें तो इसका कोई अवशेष नहीं बचता है तो किसान भाई समझ लें की ये असली यूरिया है। इसी तरह से डीएपी के कुछ दानों को हाथ में लेकर उसमें चूना मिलाकर मलने से यदि उसमें तेज गंध आने लगे और सूंघना मुश्किल हो जाए तो समझ ले कि डीएपी असली है। दूसरी विधि में डीएपी के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें तवे पर दाने अपने आकार से फूल जाते हैं तो समझे कि यह असली डीएपी है। इसी प्रकार से पोटाश के कुछ दानों को नम करें ऐसा करने पर यह यह दाने आपस में नहीं चिपकते हैं तो असली है। दूसरी विधि में पोटाश को पानी में घोलने पर इसका लाल भाग पानी के ऊपर तैरता रहता है।